नईदुनिया





# टाटा नेक्सान में मिलेगा नया बॉक्सी डिजाइन, बड़ी स्क्रीन

नई दिल्ली

**स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की पापुलर काम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सान अब नए अवतार में आएगी। इतना ही नहीं, कंपनी इसकी नेक्स्ट जनरेशन पर काम कर रही है जिसे प्रोजेक्ट गरुड कोडनेम दिया गया है।**

महाराष्ट्र में हाल ही में इसकी टेस्टिंग के दौरान नई स्पाई तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों से एसयूवी के एक्सटीरियर और इंटीरियर में होने वाले बदलावों की जानकारी मिली है। नई टाटा नेक्सान 2027 में सिर्फ लुक ही नहीं बल्कि प्लेटफार्म, केबिन और इंजन के स्तर पर भी बड़े अपडेट देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही कंपनी नई जनरेशन नेक्सान ईवी पर भी काम कर रही है। टेस्टिंग के दौरान नई टाटा नेक्सान पूरी तरह कैमोफ्लाज से ढकी हुई थी लेकिन इसके बाडी शेप में बदलाव साफ नजर आते हैं। मौजूदा माडल की तुलना में इसका फ्रंट हिस्सा ज्यादा सीधा और ऊंचा दिखाई देता है। वहीं रूफलाइन को भी पहले से ज्यादा फ्लैट रखा जा सकता है। इस नए डिजाइन से पीछे बैठने वाले यात्रियों को बेहतर हेडरूम मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा कंपनी इसमें नए अलाय व्हील, अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, नई लाइटिंग और बदला हुआ रियर बंपर दे सकती है। लेकिन टेस्ट माडल की तस्वीरों से फाइनल डिजाइन का पूरी तरह अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है। नई नेक्सान के इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सामने आई स्पाई तस्वीरों में पतला डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बड़ा फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम नजर आया है। इसके अलावा टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील पर रोशनी वाला टाटा लोगो भी दिखाई देता है। फीचर्स की बात करें तो इसमें पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग, एयर प्यूरीफायर और इन-बिल्ट डैशकैम मिल सकते हैं। सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा और लेवल-2 अडास जैसे फीचर्स मिलने की भी संभावना है। लेकिन कंपनी ने अभी इन फीचर्स की पुष्टि नहीं की है। इंजन की बात करें तो मौजूदा 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी विकल्प जारी रहने की उम्मीद है। वहीं मौजूदा 1.5-लीटर डीजल इंजन की जगह नया क्रायोजेट डीजल इंजन मिल सकता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक गियरबाक्स के साथ पेश किए जाने की चर्चा है। नई टाटा नेक्सान को 2027 में लान्च किए जाने की उम्मीद है। इसकी कीमत और फीचर्स की आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि नई जनरेशन नेक्सान में टाटा मोटर्स का माड्यूलर एटलस आर्किटेक्चर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह प्लेटफार्म पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन को सपोर्ट करने के लिए तैयार किया गया है। लेकिन प्लेटफार्म को लेकर कंपनी की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

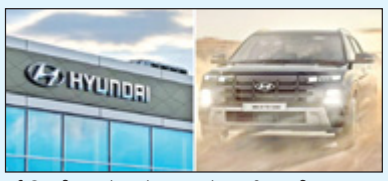
## न्यूज ब्रीफ

### एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार इस्तेमाल के लिए सैवलॉन का जागरूकता अभियान




**नई दुनिया प्रतिनिधि भोपाल:** एंटीबायोटिक दवाओं के अनुचित इस्तेमाल से बढ़ रहे एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आईटीसी के सैवलॉन स्वस्थ इंडिया मिशन ने वीलवएंटीबायोटिक्स अभियान शुरू किया है। 18 से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाले एएमआर जागरूकता सप्ताह से पहले शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार इस्तेमाल और संक्रमणों की रोकथाम को बढ़ावा देना है। अभियान के माध्यम से बताया जा रहा है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक इस्तेमाल भविष्य में संक्रमणों के उपचार को मुश्किल बना सकता है। वहीं, साबुन से नियमित हाथ धोने जैसी सामान्य आदत संक्रमण फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आईटीसी के अनुसार, यह अभियान रचनात्मक संवाद और संगीत के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास है।

### हुंडई कर रही कई नए माडल लान्च करने की तैयारी




**नई दिल्ली।** आने वाले समय में हुंडई भारतीय बाजार में कई रोमांचक नए माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। इनमें से कई माडल 2027 में बाजार में दस्तक दे सकते हैं। कंपनी की योजना में इलेक्ट्रिक कारों से लेकर पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड और सीएनजी माडल तक की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इनमें सबसे पहले हुंडई बेयान सीएनजी अगले साल लान्च हो सकती है। इसमें 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट मिलेगी, जिसका टैंक गाड़ी के नीचे लगाया जाएगा ताकि बूट स्पेस पर कम असर पड़े। इसे सिर्फ मैनुअल गियरबाक्स के साथ पेश किए जाने की उम्मीद है। कंपनी एक नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, जिसका कोडनेम एचई1आई है, पर भी काम कर रही है। इसमें बाक्सी डिजाइन, बड़ी विंडो, इलेक्ट्रिक सनरूफ और एक प्रीमियम केबिन मिल सकता है। फीचर्स की बात करें तो, इसमें प्लियोस कनेक्ट सिस्टम, लेदरेट और वेंटिलेटेड सीटें, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और एडीएएस जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हो सकते हैं। इसमें 42केडब्ल्यूएच, 49केडब्ल्यूएच या 51.4केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक दिया जा सकता है। नई जनरेशन हुंडई क्रेटा को पूरी तरह नए डिजाइन में पेश किया जाएगा। यह के3 प्लेटफार्म पर तैयार होगी और इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन के विकल्प मिलेंगे।

### भारतीय सड़कों के अनुकूल तैयार की जा रहीं इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बैटरियाँ

**नई दुनिया प्रतिनिधि भोपाल:** भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच बैटरी की उम्र और सुरक्षा महत्वपूर्ण मुद्दे बन गए हैं। सितंबर 2026 में देश में 2.08 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटरों का पंजीकरण हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 90 प्रतिशत अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता एथर का दावा है कि उसकी बैटरियां भारतीय मौसम और सड़कों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं। कंपनी ने बेडरॉक बैटरी पैक पेश किया है, जिसमें डाई-कास्ट एल्युमीनियम बॉक्स, आईपीएक्स7 वॉटर रेजिस्टेंस और माइक्रो-लीक डिटेक्शन जैसी सुविधाएं हैं। कंपनी के अनुसार, बैटरी की सुरक्षा और टिकाऊपन के लिए 272 से अधिक परीक्षण किए गए हैं। बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम तापमान और वोल्टेज की निगरानी करता है। कंपनी बैटरी पर 10 साल या एक लाख किलोमीटर की विस्तारित वारंटी और निर्धारित शर्तों के तहत 70 प्रतिशत हेल्थ गारंटी भी देती है।



# प्लास्टिक पैकेजिंग 2026 से प्रदेश की 6000 करोड़ की परियोजनाओं को मिलेगी गति

**27 से 30 नवंबर तक लाभगंगा प्रदर्शनी केंद्र में होगा आयोजन, 8 राज्यों के 450 से अधिक प्रदर्शक दिखाएंगे तकनीक; युवाओं के लिए जॉब फेयर भी**

इंदौर

**मध्यप्रदेश में प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित करने की दिशा में 27 नवंबर से शुरू होने जा रहा प्लास्ट पैक 2026 महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मध्य भारत के सबसे बड़े प्लास्टिक एवं पैकेजिंग बी2बी एक्सपो की तैयारियों का लाभगंगा प्रदर्शनी केंद्र में भूमि-पूजन के साथ शुभारंभ हुआ। इंडियन प्लास्ट पैक फोरम (आईपीपीएफ) द्वारा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के सहयोग से आयोजित यह चार दिवसीय एक्सपो 30 नवंबर तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार, प्रदेश में करीब 6 हजार करोड़ रुपए के निवेश वाली 105 नई और निर्माणाधीन परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। एक्सपो के जरिए इन परियोजनाओं को गति देने और नए निवेशकों को प्रदेश से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।**



**450 से अधिक प्रदर्शक, दो लाख विजिटर्स की उम्मीद** - एक्सपो के चेयरमैन जाहिद शाह ने बताया कि इस बार आयोजन पिछले संस्करण की तुलना में करीब 30 प्रतिशत बड़ा होगा। 10 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में होने वाली प्रदर्शनी में 8 से अधिक राज्यों के 450 से ज्यादा प्रदर्शक 500 से अधिक स्टाल लगाएंगे। इसमें दो लाख से अधिक ट्रेड विजिटर्स के पहुंचने की संभावना है। इस वर्ष की थीम इनोवेशन टुवर्ड्स सस्टेनेबिलिटी, क्रिएटिंग अपार्चुनिटी रखी गई है। प्रदर्शनी में प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग की आधुनिक मशीनरी, नई तकनीकों और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

**396 फैक्ट्रियां दे रहीं 35 हजार से अधिक रोजगार** - आईपीपीएफ अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में 396 पंजीकृत रबर एवं प्लास्टिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, जिनसे 35,625 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। इंदौर, पीथमपुर और धार औद्योगिक क्षेत्र में 1,900 करोड़ रुपए से अधिक के पालिमर और फिल्म निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट भी निवेश की संभावनाओं को मजबूत कर रहे हैं। प्रदेश की अनुकूल औद्योगिक नीतियों और केंद्रीय भौगोलिक स्थिति के कारण प्लास्टिक एवं पैकेजिंग क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ी हैं।

**युवाओं के लिए जाब फेयर, उद्यमियों को हेल्प डेस्क** - आईपीपीएफ सचिव अंकित भारुका ने बताया कि एक्सपो में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रमुख उद्योगों की सहभागिता से विशेष जाब प्लेसमेंट एवं रिक्रूटमेंट कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से युवाओं को उद्योगों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। वहीं, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को मशीनरी फाइनेंसिंग, तकनीकी जानकारी और संयुक्त उपक्रमों के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विशेष हेल्प डेस्क बनाई जाएंगी।

**रीसाइक्लिंग और नई पैकेजिंग तकनीकें होंगी प्रदर्शित** - प्लास्ट पैक 2025 के चेयरमैन एवं वरिष्ठ सदस्य हितेश मेहता ने बताया कि प्रदर्शनी में एमपीआईडीसी, एमएसएमई विभाग, सीपेट, एमएमएआई और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के हेल्प डेस्क रहेंगे। यहां उद्यमियों को प्लास्टिक पार्क, पूंजीगत सब्सिडी और औद्योगिक योजनाओं की जानकारी मिलेगी। कंपोस्टेबल प्लास्टिक, पेपर आधारित पैकेजिंग, वाटर साल्यूबल फिल्म्स, रीसाइक्लिंग तकनीक, आल-इलेक्ट्रिक इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन और एआई आधारित रीसाइक्लिंग प्लांट का प्रदर्शन भी होगा। भूमि-पूजन एवं आयोजन की तैयारियों में आईपीपीएफ की प्रबंध समिति के सदस्य संजीव सचदेवा, अंकित भारुका, मेहुल ठक्कर, प्रमोद सोमानी, विशाल सोनी, पर्व ओचानी, अभिषेक कासट, अजय जायसवाल और गौरव हीरानी सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय हैं।

# कंपनियां कर रही 6 नई और अपडेटेड एमपीवी पेश करने की तैयारी



नई दिल्ली

भारतीय कार बाजार में एमपीवी सेगमेंट की कारों की जबरदस्त मांग को देखते हुए, मारुति सुजुकी और टोयोटा कंपनी आगामी समय में 6 नई और अपडेटेड एमपीवी पेश करने की तैयारी में हैं। इनमें सबसे पहले मारुति सुजुकी इनविक्टो फेसलिफ्ट आ सकती है, जो टोयोटा इनोवा हाइक्रास के अपडेटेड वर्जन पर आधारित होगी। 2027 की दूसरी छमाही में लान्च होने की उम्मीद है। इसमें नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, एलईडी लाइटिंग, बड़े अलाय व्हील्स और केबिन में 12.3-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम तथा लेवल 2 अडास जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। इसमें मौजूदा 2.0-लीटर स्ट्रान्ग-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन ही रहने की संभावना है। इसके बाद मारुति सुजुकी एक्सएल6 फेसलिफ्ट भी 2027 में देखने को मिल सकती है, जिसके डिजाइन में इंडोनेशिया में दिखाई गई सुजुकी एक्सएल 7 से प्रेरणा ली जा सकती है। इसमें एक बड़ी ग्रिल और नए बंपर होंगे, जबकि इंजन में 1.5-लीटर माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन और सीएनजी विकल्प जारी रहेगा। मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एमपीवी, जिसका कोडनेम वायएमसी इलेक्ट्रिक एमपीवी है, को 2027 की पहली छमाही में लान्च कर सकती है। यह लगभग 4.5 मीटर लंबी और 7-सीटर हो सकती है, जिसमें ई विटारा वाले 49केडब्ल्यूएच और 61.1केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक दिए जा सकते हैं। इसी के आधार पर टोयोटा वायएमसी-आधारित इलेक्ट्रिक एमपीवी भी बाजार में आएगी, जिसे 2027 के अंत तक लान्च किया जा सकता है।

इसमें टोयोटा के अनुसार कुछ डिजाइन बदलाव और मारुति के समान बैटरी पैक होंगे। मारुति सुजुकी अर्टिगा फेसलिफ्ट और टोयोटा रुमियन फेसलिफ्ट दोनों को 2027 में अपडेट मिल सकता है। अर्टिगा में नई ग्रिल, अपडेटेड एईडी हेडलैंप और एक बड़ा 10.25-इंच टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम मिल सकता है। रुमियन में भी अर्टिगा जैसे ही बदलाव होंगे, साथ ही सीएनजी वेरिएंट के लिए ज्यादा बूट स्पेस और दूसरी पंक्ति की सीटों के लिए अधिक आराम पर ध्यान दिया जा सकता है। इन आगामी माडलों में इलेक्ट्रिक एमपीवी के साथ-साथ मौजूदा लोकप्रिय माडलों के फेसलिफ्ट संस्करण भी शामिल होंगे, जो ग्राहकों को विभिन्न सेगमेंट में आधुनिक विकल्प प्रदान करेंगे।

## मुंबई में सीएनजी महंगी, निवेशकों का बाजारों पर भरोसा बरकरार



**मुंबई।** मुंबईकरों पर महंगाई की एक और मार पड़ी है, क्योंकि सीएनजी की कीमतें 1.50 रुपए प्रति किलो बढ़ गई हैं। हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर यह है कि विदेशी निवेशक नवंबर के शुरुआती 13 दिनों में ही भारतीय बाजारों में 84,290 करोड़ रुपए का भारी निवेश कर चुके हैं। मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में सीएनजी 1.50 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है। अब खुदरा दर 91.50 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है, जो इस साल का सबसे ऊंचा स्तर है। महानगर गैस लिमिटेड द्वारा घोषित यह इस साल की 8वीं बढ़ोतरी है, जिससे पिछले 11 महीनों में कुल 11 रुपए की वृद्धि हुई है। दूसरी तरफ, भारतीय बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का विश्वास लगातार बना हुआ है। नवंबर के शुरुआती 13 दिनों के 9 कारोबारी सत्रों में उन्होंने भारतीय बाजार में कुल 84,290 करोड़ रुपए का भारी निवेश किया है।

# इलेक्ट्रिक कार सिरोस ईवी का जबरदस्त प्रदर्शन

नई दिल्ली

**भारतीय बाजार में किआ की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार सिरोस ईवी जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। बीते माह अक्टूबर 2026 में कंपनी की कुल इलेक्ट्रिक कार बिक्री में इस अकेले माडल की हिस्सेदारी लगभग 63 प्रतिशत रही। इसका मतलब है कि किआ की हर तीन इलेक्ट्रिक कारों में से लगभग दो सिरोस ईवी थीं। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2026 में इसकी 880 यूनिट्स पंजीकृत हुईं, जबकि कंपनी की दूसरी इलेक्ट्रिक कार कारेन्स क्लाविस ईवी की 519 यूनिट्स बिकीं। वाहन के पंजीकरण डेटा के अनुसार, अक्टूबर में किआ की कुल 1,404 इलेक्ट्रिक कारें पंजीकृत हुईं। वहीं, प्रीमियम ईवी6 और ईवी9 की कुल मिलाकर केवल 5 यूनिट्स ही पंजीकृत हुईं। पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले किआ के ईवी पंजीकरण में 86.5 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है।**

किआ सिरोस ईवी को जुलाई 2026 में 13.49 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लान्च किया गया था, और यह कंपनी की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार है। यह एक 5-सीटर काम्पैक्ट एसयूवी है, जो उन ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनती है जिन्हें बड़ी 6 या 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार की आवश्यकता नहीं होती। इसकी कम कीमत और काम्पैक्ट साइज इसकी शानदार बिक्री के प्रमुख कारण हैं। हालांकि इसका बाक्सी डिजाइन सभी को पसंद न आए, लेकिन इसके केबिन में अच्छा स्पेस मिलता है। चार मीटर से छोटी होने के बावजूद, इसमें पीछे की सीट्स को स्लाइड और रिक्लाइन करने की सुविधा दी गई है, और कुछ वेरिएंट में रियर सीट वेंटिलेशन भी मिलता है।



अक्टूबर 2026 में सिरोस ईवी की 880 यूनिट्स पंजीकृत हुईं, जो सितंबर की 878 यूनिट्स के लगभग बराबर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि फिलहाल इसकी बिक्री हर महीने करीब 900 यूनिट्स के आसपास बनी हुई है। वेरिएंट के हिसाब से, सिरोस ईवी के एंट्री-लेवल एचटीके की सबसे ज्यादा मांग रही, जिसकी 455 यूनिट्स पंजीकृत हुईं। बैटरी पैक के मामले में भी 42केडब्ल्यूएच वाला वर्जन आगे रहा, जिसकी 562 यूनिट्स बिकीं, जबकि बड़े 51.4केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वाली 318 यूनिट्स बिकीं। कंपनी के अनुसार, 42केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वाली सिरोस ईवी की अराई रेंज 443 किलोमीटर है, जबकि 51.4केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वाला वर्जन 526 किलोमीटर की रेंज देता है।

# भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डालर व्यापार का रोडमैप

काहिरा

**संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर**

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डालर से बढ़ाकर 12 अरब डालर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की।

द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डालर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया। मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इन्वेस्ट इंडिया और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 2027 में भारत-मिस्र राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ से पहले चार सूत्री कार्ययोजना का प्रस्ताव भी रखा। मिस्र की भूमध्य सागर और लाल सागर को जोड़ने वाली रणनीतिक स्थिति, उसके विकसित बंदरगाह और लाजिस्टिक बुनियादी ढांचे तथा अफ्रीकी, अरब एवं यूरोपीय बाजारों तक पहुंच भारतीय कंपनियों के लिए विनिर्माण एवं निर्यातोन्मुख कारोबार स्थापित करने के शानदार अवसर प्रदान करती है। अगली संयुक्त व्यापार समिति की बैठक 2028 में नई दिल्ली में आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

